

ASHA ARCHIVES

2848

२४५५५॥

ॐ नमो श्रीचक्रसमवायः॥
मनुमहामनिकानकनामि
वावठायनीडुरुनकनरु
वापियावः॥ ५॥ नमः
म्वहकविश्वरुहपंचमन

॥ वाग ॥ रु व वी ॥ ॥ न ॥
 न यु च दि द ह मं वु डी पं अ य
 व न य क व मं पं व गि न
 पं व वु डं वि ग्य हृ जि नं वि
 अ मु दि पा वा व हं मि मि न मा

नसाह्वनलुहयतिमिलघनधानवृषः॥
उपदीपंनोपदीपनिगाहः॥
उविदिगंनुवनवाउपदिः॥
दिनद्वनवाचियनननः॥
नवविद्यान२गुवनवाउदिवियसा

॥ गान्धर्वदानमया
सुनवाउपदीपव
उपवशु ॥ ॥
वेयस्यमृष्टाद
कामाधिकूलनिधि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निखिलवदयनि ॥

यनामनकासुमडदकापविः
वथीसफपविपूजितरुवजः
यागा ॥ गन्धारुववी ॥

वृषश्चंवाप्तुनसपंचसाविपूजिया ॥

॥ गुवचनदिविद्वन्मारागतिपविता

मंरुलियगा २ पुक्षवयनिहा

ननिसंगनवस्यदुदुगी ॥ १ ॥

रगभकादहनपचरानस

॥ दुक्तदवीवति

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वायंतिरुवनवीवाश्वीनमथापीकासमयानंद ॥

विचंवीनम्वनसहजानंद

नद ॥ ॥ पकवृद्धप

वनवपुमूदिनहृदया ॥

कश्ठमनूद्यष्टधनिविनमानंद ॥

२ कालेकमलासनहृदया

वस्वीधस्ववृष २ देवाभ्रसूः

हुंआः ३ हुंआः ४ हुंआः ५

॥ वागा ॥ पटमंजलिः

ॐ वक्र ॥

मूडाधन॥ ॥धवनसुसंखनदं हधनूश्मनंदसू॥ माहियवं
दमन॥ ॥मायादं हः ॥ वीनजंगुश्माहियकनक्षाम
स्वमहं॥ ॥नागागृगममा ॥ नगि॥ ॥यिवकनविम
जिमसुलमाप्पस्थितिआनं ॥ दमनूतिधनाश्चकृवावाहि
अलिङ्गक्षसम्बननानावस्मिमहाहवा॥ ५ ॥ ननाहंश्मनाः

५

ननहं॥ ॥नीलवर्धुचकुवकुपुगिमूर्खविनकाश्चनमानं
दमनूतिधनाश्चिन्धवडाः ॥ अर्द्धचद्वज्रमकूटधनाह
आरुवनसू॥ माहिता॥ ॥ ॥ वज्रयष्टगजचर्मठमनूखदी
गाविनमानंदमनूतिधना ॥ शकनटिकपालपनमृषाभ
विमलवमगिनंधनावाघचर्मकरिर्वसिता॥ ॥दिर्गावि

५१५३२४॥

दिगंकाकाभ्यादिद्यमडाविनिदवी सहमानदमूनमिधवाश्नमा
मिश्रीवकुसुम्यवा सनगु नूववक्षआनाधिनात ॥
नाग॥भूहंति॥ ॥ हाडा हवक्षविद्यायिन समववध
वायिकोवाकुनिववमाश्नुः क्रेवाननमंशुयामूयान
मदूटकाभादिगंवना॥ ५२ ॥ विववभानुसमवववाया समन

मूत्राधानकावा २ रुमविवाहिनि वज्रवावाहीदुमहियाभान
मावा ॥ ॥ नानिहाय भवनंमरुमयन वायेवंरु
वायिमंवावा २ गगननीवाव भूवधिवज्राडा भनमभुल
रुवाविना ॥ ॥ श्रियंध उयटह द्वादिंगवसमनय
यिसयिमून्यरुहावा २ रुमविवाहिनि वज्रवावाहि रुन्नविनद

ॐ
ॐ
ॐ

पविश्रुधारा॥

॥ गभवर्जितिलावज कालियाउव सगगुन

वनमश्रावार्धसमयानंद

हलिंगवमधुल सम्वनव

जवावाही॥ ॥ नागा॥ वान

दि॥ ॥ गिहंठावापयिथा

गिनीदहकावाडिश्वामनव

लिमघष्टकानहनजिवयि

॥ के ॥ थागिनीउम्विनूखनहनजिवयिश्वनामहवीवि

ॐ
ॐ
ॐ

यानकमलसंपीवयि॥

॥ ऊपरू थागिनिनयनगाः ॥ २मक्षिः

वलवहियाकडाडियान समयि॥

॥ साहू हयनयानकूवि

यमानेश्वरसूर्यइयिपकनरु

नाडा॥ ॥ रुनयिगवठविः

हमकंडवूवीनाशननयनावी

मामयउरुयनउचिवा॥ ॥

नागा॥ पंचम॥

॥ जयंवाकुलि हनुवघनयिश्वयनहनाह

वज्रगङ्गाधारी श्री ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्यमलमहिमशुलन
 वपुनवनंमनंकावा २ हाउरु ॥ मलआरुवधविभुषितः प्रप
 नयधृष्टलावा गिनिनीनीः ॥ विधयंति यंतिनिनयनाः ॥
 ॥ ॥ कनटिष्यन गी ॥ र्वनूड नवसिदमावा कृत्
 नयधृष्टलावा गिनिनीनीः ॥ सिवसिंधुन कर्जस्तुला २

२ वज्रगङ्गाधारी श्री ॥

कस्तुरि कर्पुन कामवनसूखमावी ॥ ॥ रुनयिसननवजवाकुलि
 दावा २ गीवजदवीपुमदं श्री ॥ हनुवपाना ॥ ॥ ० ॥
 बागा ॥ मावसि ॥ ॥ वज्रः ॥ आगिनि हनुववाया २ जिउ
 वनक्षमथ दहिमप्रा २ हा ॥ ॥ ३ ॥ पिकयिधमहानसः
 महासूखकनिया ॥ २ वजदवी स्तुनयि अनूरुनहान ॥ ॥

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥

पुनर्लिङ्गं वा न ॥

ननाइं ननाइं नना नन हूं हूं ॥
 नम विलपन दह धनु ॥ ॥
 दयि २ नमः हूं नमः हूं श्री हव
 नाग ॥ काभाउ ॥ ॥ प्रकाः
 नन्दनिलाज सममृनिदहा श्विम्भाउ संस्तुत मृष्टिकावन

नत्तमकूटकाधायिपं॥ ५॥ नमामि शीघ्रवन्द्यविभं रुवसिंधुवसिंधु
 नमनं श्विभनाथविस्वया पितं वदालिधंसनकावनं॥६॥
 ॥ अन्ननजानूत्तिगणि जुवनविभं संत्यति सुखगे
 दगधनं श्वामनकूनिहृदि पावधनं रुवाविज्ञातनबंध
 नकावनं॥ ॥ नानावत्ता हाननायुवं काटिमखलहृत्विनदहा

१०

श्रीहृत्विभनाथनाम्ना

२५ दृष्टाकनात्रलिखमवदनं विजुवनवायाप्रवधुविभं॥ ॥
 विनाधिपति सर्वरुयहवनं धनपिमावादि सांननमनसी
 २६ जुवनननकादि वदितपा द सर्वसिद्धिभाऊ हलदं॥७॥
 नागनाकनदि॥ ॥ श्रीह वजननात्मादवी विरुवनना
 थश्यकाजनव्यापितयकवर्धदहा॥ ५॥ नमामि श्वीरगापू

ॐ विष्णवे नमः॥

कायवेसश्चिह्नकशीगुश्चवनीवज्रागिनिमन्यनाम

110

पुर्वदिगांलिङ्गहृन्वनिनिलव

विश्वनाथ ॥ चत्सवीवी

लवङ्ग ईशालसंवज्ञा ॥ ॥

संरुयखसमदं हो नवनसं.

धर्मरहितनिपातविद्याम

नी जगिनी दवी २ गवनिनी

नागभाउ॥ ॥ ई विम

ग. न. ज. न. ध. वा. २. ह. द. म. न. उ. ज.

वदवर्भुद्वाद्भवर्भुन्नकनर्भु॥

मह्यरुनरुयहमनं॥ ॥

पद्मसिंहीनविषयः २

सप्त प्रकलिकास्थिता।

इवाना आनसु रवा २ डादस

॥ नमामि श्रीप्रियवर्धनं ॥

चतुर्विंशतिप्रिषीथस्वन

वसुनवकुप्रेदक्रिष्णद्वि

प्रहसंयन-आलिकालिप्र

नृकलावा नेमामिशीवकं

उदितगा॥

सम्बवा॥ ॥सतगुनवचक्षुसीनंगतधविद्यारुनयिसेगी
नशीकृविम॥२दानपतिन॥ मनाहर्षसयमधुल.आ
वाधिता॥ ॥बाग॥विह
यवनईताश्चलंस्तुहदामक॥ काठानकृता॥ ५ ॥धानद
ष्टानरुवनिस्तंनिताश्चल्यनिबंजन.माकृलीकृता॥ ॥

१२

अवोनिनिहिनगाय

दिनकनमधुलमखगताश्चानुधामृत.वसीस्यवलंकृता॥ ॥
दग्धआलीहाय.प्रतिनिवई॥ ताश्चवासून.नवसिबनमि
ता॥ ॥गभवक्रियवनप॥ तिगुवरुताश्चकवावाहि
उरु.सिलनमिता॥ ॥ बाग॥.कामाठ॥ ॥अव
निनिहिनगानूनिलसमदः॥२ककनयिधयधरिषमवदक्ष॥

सर्वीकांता॥

ननाईं ईं ननाईं ईं ननाईं
दितघन शुक्तिव्यहितमंग
था॥ ॥ हनिहववक्का ॐ
अकृ हयहवना॥ ॥
दहा २ गगनविवाष्टिग वलहलदायवी॥ • ॥ बागलसोध

वलकाधवाया॥ ॥ निवि
रया मंघर्गधविशितवनना
नुवउमाला २ मालविघ्नयुक्ति
विविधितनसुधोविलंकन
॥ बागलसोध

१३

नाथी॥ ॥ सर्वीकानामहासुखकृत्रिया वउम्मानन्ददहा २ वि
कुवनहलयिमहासुखवा
॥ ॐ ॥ नपापनिनोपवन
२ सर्वविकल्पविधिसनीदेवी
अमिताभमधुलउदयान स्थिति कल्याणनमिव नृपधनीः २

श्री
गणेशाय
नमः

कनकिकयालखद्वांगधारीप्रह्लादनवन्दायनी॥ ॥दिगंव
नमकुटकभीचक्रिकुसुलक
यनधारीशीवनूदननसिल
ननदवीविवहिरुगवअरु
सिवांगतधनियाभवनिसमनसीवजा॥ ॥वागावसंत॥ः

१४

अनसिकुसुमयूतिदहप्रलब्धनाशिविविधिनत्नमकुटविरुषि
ता॥ ५२ ॥नावयिवशीअ
वियासयिअचला॥ ॥
ना॥२॥प्रह्लाअलिंगनअद
गचंद्रवलयंकना२॥निरुतखर्जनर्जनीया॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मानववदुनदर्पनिषिलविघ्नरुक्ताश्च विभक्तिर्युगनगगनविना
सनी ॥ ॥ वागवाकनदि ॥ ॥ श्रीमद्भक्तनाथवनम
हविनविजयाश्चैव हस्तः ॥ खजधविनागवास्तदहं ॥ ११
॥ ध्रु ॥ नमामि श्रीमः ॥ ॥ कुमारवाश्च गदीव्यवज
गतगुप्तुवनवापिता ॥ ॥ पुरुषाक्षरीशुरुषघ्नगुप्तवाया

११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीधर्मकुक्षान्नपालमसुल्लंकाता ॥ ॥ गगतनाथ
ऊगननिबंजनवायाश्चैवः ॥ अस्तुविमानदपल्लिगनिनं
रुना ॥ ॥ वागवाकनदि ॥ ॥ कवनवृषलाकम्बवकावः
नवृषवृद्धश्चैव यनिबंज ॥ ॥ जनसयावविमुर्द्ध ॥ ॥ ध्रु ॥
नाकयिअवधूवकानकमानखद्वागठमवृणीव्यवृद्धनवति

समा॥

॥ अंकलस्य निबंजनमूकलवीहना २ अननकनव

गगनिसयानविमुद्धि॥

॥

कई वावकुई वैरु वाई वोल

वीना २ अवरधुवकाद्रुगति

मरुमनवशा॥

॥ हलई

१३

हलई हमरुमनसुऊं डो

विधिठुवननाथप्रकृसम्ब

नवाया॥

॥ वाग॥ नाट॥

॥ सवावजंगनगुनसम्बन

वीना २ अननयमकावृक्षकनिगसूखचिह्ना॥

५ ॥ सम्बनसं

नकवृमयिताषं विविधि

विकल्पविनामननृदा॥

दवीवावाहीकुम्भमहिगद

हा २ रुवरुयहननविमान

वि(स)धा॥

॥ सवालवि

घुहनिमनिननिनृय ॥ २ न

नियतिस्वर्गनिवासननृदा॥

॥ रावाहावकनहनिमनिरु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२२ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ • ॥ वागगावडगी ॥ ॥
विकि कृष्णलकाष्टि नाचकाम ललरुषिगृथिवनननमि
लमाला २ सिलवकिचकिल यियाहम्मविह पिगगगन ११
नादिवंधुविवाया ॥ ॥ प्रहसग्रीहन्नवदमानकावा
याह रगनोथयीसम्बनवाया ॥ ॥ वज्रकावाटकाहो थधविया

वीरथकियाउखद्वाराग २ संपूतथगिनीकमलविहसिंरानमह
सुखमनीपुष्पदं ॥ ॥ वज्रवावाहिम्नलिंगनसम्ब
ननानयिवह्विविहन्नरुं राशवाहुलिकाललयिया
किरक्तिहन्नवन्नृद्वदुवरु वनपुष्पदं ॥ ॥ सहज
संयुक्तिलयियागवन्नि कर्तुयाल श्रीहन्नवन्नपुष्पदं २ पुह

॥ विष्णुर्गोमूत्रम् ॥

अलिंगक्षकिदक्षिहनुवविनासयिगुन्यकनूत्त॥ ॐ ॥
 नागा॥ विनास॥ ॥ दिह
 मवूटकांठिनिनाचना॥ ॥ ५२ ॥ नभादवीवूडडा
 विनिविम्बजननीश्रिगुः
 नी॥ ॥ दिहिनकनवजविनासिगदग्धकिश्वामकवाटक

१८

अग्निधनमग्निः॥

चतुर्माससंशीवयि॥ ॥ नवनिमलपुलमाग्यः ॐ हियानगम
नश्चत्तनोपनवनसक्तप्र ॥ व्यभिक्तो॥ ॥ यविद्याध
वादवीसूनवनमहिताश्च ॥ कालमृदिसिद्धिदहिममाता
वाग॥ वसक्त॥ ॥ जिन ॥ वनजननी पुलाखनवनः
क्षिश्चिवास्तयि समवनसदं दाम्नालिगना॥ ॥ ॥ नीवेमुहस

वयं नृणां वयं वसुं पुरं २ गभश्चाश्रुलिंगनश्च नयन ॥ १ ॥
 वायसं रुगसमयनधीयम ॥ यने २ बागविवागइयिमाः
 म्यनिषर्ष ॥ ॥ अरु ॥ कृलिंगमं यागविनखनाः
 २ सुवननवप्रमुखदंदा आ ॥ लिंगक्ष ॥ ॥ दहदि रु
 सुवननः श्रीयागम्यव २ प्रक्षमामिहानं वीश्रुलिंगक्ष ॥ ० ॥

१८

वाग ॥ वामकवि ॥ ॥ जिनवननयन सुवन श्रीकांषाकेन
 निवासश्च निवमयमक्षिना ॥ २ नयालमशुलमाय्यमसि
 हनकिवक्षगगतमरुलः ॥ माय्यमनीना ॥ ॥ ॥ वि
 धागं किगंधियावश्रुवताव ॥ यावदव पुनमामिवृगम
 लाकां ववदव २ सिद्धायागीवश्चरु पत्रिकुमवाया सुवनप्र

॥ जिनवननयन ॥

निवृत्तामक्षिननंदद्वयं॥

यावद्वामकामलध्वजः॥

कदाचिद्वदः खरुयद्वयः॥

गतिनमामि श्रीवृगमलाकः॥

वदमलद्वयस्वर्गमध्वपानालद्वयं॥

॥ वायिकामलविकामिनयोधि॥

दुष्कयोंसमवन्नबागवृष्ट

॥ ॥ ईरुगनिकायारु

व्यवद्वयश्चमामिश्चीन

॥ दमकुमिद्वयिभक्त

२०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

लकृनवायागगतनाथशूरुयदानाश्चामिभूतारुमिथंगतध

विया श्रीलाकव्यवमवक्षः

इवंगमरुवक्षश्चिवित्तनवनि

लकंगमा॥ ॐ ॥ गगतनः

लविघ्नविनामनीद्वयी॥

गति॥ ० ॥ वाग॥ वसीन

स्वराश्च०००० नीलयुक्तिपिंग

वांपाकृयागुधद्वयीश्चइष्टमा

॥ वकनयनयिधिवृद्धमासा २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

स्वर्गकवटिकपालनीलान्त्य ॥

स्वर्गलंवादनमवाकाको ॥

मानाश्चनयिभूषाघवजव

उत्त ॥ ध्यानकानगनभ्राता

रुननंदददवं ॥ ५२ ॥ नमामि श्रीलावां च नमिषुवननाथ २

॥ व्याघ्रवर्मवम्पुप्रसालिंहा ॥

॥ वनधमनधयाउर्गनावनी

विगीता ॥ ० ॥ वागा ॥ माला

धियावश्चिदायागीवध्वद

॥ नमामि श्रीलावां च नमिषुवननाथ २

२१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कनूनामयगगनउद्धानक्षि ॥

गपालाश्चगयगुगधवंदि

मननूयायहनक्षश्चाधि

सखावगिषुवनधर्मभव

धनक्ष ॥ ० ॥ वागा ॥ वसक ॥

॥ हविहवनवक्त्राः ॥ द्वादिति

नवनक्ष ॥ ॥ उक्ता

द्विद्विद्वः खहनक्ष ॥ ॥

॥ क्षश्चिलावां च नमिषुवननाथ २

॥ मधुविपुषिपूनाइयि

वदितयमनृश्वव्यवो॥ ॥

सप्तमोऽध्यायः श्रीवाकवृद्ध

यविषमावृण्णावगमनं

६५ ॥ सतगुरु नमो ॥

चिंश्रुवाधेशभवन्निनवगीतप्रवक्षकालिभा ॥ ॥ नागभाषा ॥

॥ वावजिधानिवनाली ॥

इलकिनि॥ ध॥ नमामि

शशिनिनप्रदर्विप्रिभुवनय

हिमदन्तिश्चादिगदवाऽडाकिनी ईपिनी च डसि वं वा न॥

नीरसिंधिनी बांधिनी जंयू

अथागं वनहानम्वनीया

यिसं॥ ॥पूर्वेडरुनप

इतिपिनीचडसिवांवाचि॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वदुनदिगदुम्न हलनकुदवीरिधिनिनदवीनाचयिवान॥
हनिह नवम्ना ॐ नमो भगवते
लसंहाव॥ ॥ नमो भगवते ॥
कालिन मन्त्रिनिमन्त्रनाय
नाचयीवजसत्त्वपत्रमन्त्रनवीनयनि॥ मलश्रीसहस्रवि

२३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वक्षदमसूर्यसहस्रवर्हि॥
सत्त्ववर्हि॥ ॥ नमो भगवते ॥
याथाना मन्त्रनवकनधाना
कनक्षवि ययिनलाला॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ वद्विविविह नपविमन्त्राचार्य
मन्त्रि॥ ॥ नमो भगवते ॥
श्चनवापिथीहा ॐ वगा ॐ
॥ ध्रु ॥ मन्त्रयर्गवृन्दनवगा
॥ नहिंरुनखाग ॐ गमधम

धूम्रांगनी॥

यिनपिवनयियाः॥ २॥ हानकालिजनयाः॥ नरं॥ नूवजनयाः॥
॥ वउसमकासुवि ॥ सिद्धाकपुनलावनयाः॥ २॥
मलयऊयिंधनंभविजन ॥ नहिहवखाजनयाः॥ ॥ १॥
पुपुनऊककनंयुद्धागुद्ध ॥ नमूनः॥ २॥ नीवहहमंग
वंडावयी नहिहसनापनयाः॥ ॥ १॥ ॥ याग॥ श्रीधनी॥ ॥ १॥

१४

धूम्रांगनीवडकानी॥ २॥ हीषधपिंगलवयन॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥
धरुहहटकनंकावहवनः॥ २॥ नानविहाननूदमहाव
लिपुन॥ ॥ समयावकुरुथा ॥ गाम्बवदवाश्वाहूनिश्चउ
महवयन॥ ॥ ॥ सिगव ॥ यकनंकाहुणावलिमाही॥
पूष्टिकनंकासमावूलवयन॥ ॥ ॥ नूदमहावलिपीगिग्रह

बहुधनभाजः॥

अथ मयि मां समस्त्य नूधिन श्राहान॥

॥ जाग ॥ रुन्वी ॥ ॥

वदुद्यमभानसिनसंष्टका

वास्तुकिनागगार्ङ्गि नमः

२गकलम्भमानसूत्रमोवाः

वृक्षाद्यनिर्गमयानकृत्वा

नाग॥ ५ ॥ उद्यमः

मलयकुह नवद्विवायूना

कसदिर्गविदिर्गवलिशक्तिनरभृष्टभजनद्विर्लविनव

ननु यिसया न संस्मय ॥

गर्भकविधानावर्हितमद्या द्वा

नां वृत्ता कर्कोटकनागभश्वा

वीकारे नवावली मेघा सवसि

अनांशचूतकवृक्षा ॥ ॥

श्रुष्टहासाङ्गव्यालनाग

यवमुमघोवनमहिचूहा२

अभिधानाकर्षकव्यायनि

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ध्यानम्भनयकाटिकावकाशान्न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रुनागपुनक्षमयाश्चिलिश्वावाञ्जुनवृक्षावृलिकनागभवर्ष
क्षमया ॥ ॥ द्वादशभुजा ॥ द्वादशभुवनचतुर्वर्गवना
द्वादशनयनाश्चनयिकर्ष ॥ पात्राष्टकानवक्षकालिनायि २३
शिष्टाष्टयिवदना ॥ ॥ वागनाडि ॥ ॥ पर्वक
पालाधविधमनिर्पेवहानपर्वमूडारुनक्षश्चनवगिलमालाः

जीवसारवाद्यवर्मकतिहृषिकवमक्ष ॥ ५ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं कान
संज्ञानवदनाश्चवर्षलेवा दः ॥ वनीलसमदहकाधधिप
जीमहाकावा ॥ पंचामृतवस ॥ दर्पक्षलायनवृक्षकपाल
धना ॥ ॥ वक्रपमात्राणि ॥ क्षिनयश्चानल्यंकवही
षमवदनाश्चर्द्धपुष्कलिना ॥ पिकलकंभा ॥ उवमरुहंभा कवृक्ष

किनीधानवमानठाकिनीवधुनठाकिनीवधुनदवी॥ ॥
 सिंधिनिव्याधिनीगंवूकडु लकिनीखद्योगपमृमृमृमृ
 हस्ता॥२॥किनीदीपिनीव ठसिवांवाजनी-धाववमान २८
 संगसवदना॥ ॥जिन जननीदवीठाकिनीहुं
 पायमानक्षपथे मृद्वारनक्षविहृषिताश्चक्षुहृगकवजय

(कन्यापुत्रेण॥

श्रवदीरागायपवमम्वनीहानदवी॥ • ॥नाग॥ललित॥ ॥
 म्रवयकनशीमरूवमावा २८मधनकिनक्षसंकासन
 दहा॥ ध्रु ॥दवशीमरू थापुवनवापिनाश्चक्षु
 खंभवदहिनकवा॥ ॥ वामपुस्तकाधनसुवगुनवा
 याश्चपप्रयण्मैकासनदहा॥ ॥दहिनवामधनधनसं

गङ्गासूत्रम्

वधनिश्चयउच्यमानमदर्थयानप्रहानम् ॥ गङ्गातत्रयननाथ
युमादितरुदयाश्चरुमि ॥ नमस्वदुलववप्रसादा ॥ १
नागधनाश्री ॥ गङ्गा ॥ खणिनयनेनौदवपदवनः ॥ २९
नृत्याधिपतिगारुध्वनाश्च ॥ मक्षिमूकानवहारुध्वनातव
शिविनक्षसंकारम् ॥ ५ ॥ मानियाविद्यमानियादर्थमानिया

इहखविनाशनंश्चमानियामानामानसंज्ञासामप्रवृत्तयप्रदःखना
मिना ॥ यवनमुवानां ॥ दूतवज्रखर्त्रुहिदिपावद
हिनकावाश्चमूलधनख ॥ दीराखयनकवटिवापे ॥ ३
॥ विविगुवम्पुर्वीवक ॥ हिवमङ्गाशकूमक्षिमिनि
नाश्चलंवादननधुनलीवादनभागायायेनमिनिमिनिवाजं

गङ्गाजिने॥

॥ वत्सामनधुनवत्सामासुखिकामुखमृगिमुन्दरुदि
नादत्तासमसुखदाता नभा ॥ १ ॥
वाग॥ रुनवी॥ ॥ गङ्गाजि ॥ ॥
कूलिगमृर्द्धवाविशुमन ॥ ॥
खद्गामकापालमृर्द्धना॥ ॥ ॥
॥ गङ्गासुखनवायावाहलिरुक्त ॥

गांगुविष्मश्मावयिन्नवापयियावमायासासुखं रुमृडात्रीक्ष
॥ ॥ ॥ पागवुम्भमृगुलवा ॥ ॥
लमालाश्नीलहन्निनभाहि ॥ ॥
विकनामृर्द्धना॥ ॥
यावकालिवागिविन्दमृडा ॥ ॥
विग्वकूलिगमृर्द्धवन्दुगटाय ॥

अथ यानि नाना

कृष्णवर्मपठमूत्रा॥

शिवकामहाविबंवीवाश्क

शुक्रयिसयनसंसावमूर्धः

अथयनिबंजनमृद्वयमृ

पिताश्मून्धताविवाशितनायश्रुद्वियादवपानविश्रमक

॥शुषिर्सीवीनेविबंघननायकशि

नृसर्गगनवीनवीनम्वन

ना॥ ॥नागा॥निबंघना

नृपमगगनकमलकंधा

पिताश्मून्धताविवाशितनायश्रुद्वियादवपानविश्रमक

31

लिता॥

॥नमामिनिवावंकनिबकुनखलावःहंशुहवनः

श्रीद्धादिताश्मवदवंदुस

मनजप्रकाशितकलकवंदु

समव्यापिता॥ ॥षठग

धागंवलसाधिवचकवशि

मनमसुलग्नमवीक्षशनि

मलहृदयावचकवध्यापी

नमृहिनिशिखवलकनमयसाधिता॥

॥आनन्दपवमा

विषयः॥

नेदविनमासहजावरुवानेदअसेरुवा २ पवनमाविनमागनडा
दिनमहासखसुगनसेपद प्रापिगा॥ ॥ हं वरुका
लवकागीवकासम्वनमून काटिसिद्धापावंगगा २ यी
रुतउठियात्रपूरुगिनी आबंधविंपुत्रुमहासख
मानहं॥ ॥ नाग॥ ललित॥ ॥ विषयविषयविन

२२

पवनसंशारागालयिवंडासीनारिकमल २ दहयिजिनविमूढ
निमवयिसुवतवऊयिधिः आरासमयग्धमसयव ॥ १
॥ ५२ ॥ नममंडधाषका लवका हं वरुसम्वनविम्व
वृपं २ पयियइमसंथारास रुवनिम्वनासहगानन्द
मयहानवृपं॥ ॥ यजपर्यंकसतकुं कुमनूनतनूनामसं

वसंवाधियाव २६ दाश्रालिंगनश्रुद्धयसंरावनावयिदानश्री
 सम्वनवाया ॥ ॥ कालि ॥ गद्य २४ गजवर्मप्रिभुनवान
 दिठुमनसुसहारिता २ मर्क ॥ पुनितकापावखदांका पाठ
 यवगुवृक्षमिबंधवा ॥ ॥ यक्षजिनमवृट्श्रुलिंरुन
 षठमूद्राहवनविहृषिता २ श्रालिकालिइयिअलिहवाप

३४

यिव्यायवर्मनिवासनकृष्णनृ ॥ ॥ नवभिलमालश्रुलंव
 यासम्वनदिव्यवृक्षिभिः ॥ कवृक्षरुदया २ मन्मन्म
 प्रावृष्टुइयायमवक्षगभव ॥ क्रियवमादिवजगीता ॥ १
 रथाका ॥ ॥ नृरुंनोका ॥ मनयदणीसिनसिकव
 २२ गवीवकंस्कंधमानंदमूर्त्तिवगालिद्यगपानिपविगत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मिखलं ग्रीखमानंदमनि. यावाथा मृष्टिक १८ घनलिवन
 निखनागवर्मननीयपा. याथीसम्वनवडिडुवेनवि
 मयिदाकिनीयकवडिडु ॥ ॥ ॥ नागा ॥ ग्वडुगिनि ॥
 दविनि. सववनविनासयि. वयिस्य २३० रुनाडा मरु
 लनाया ॥ ॥ नऊं कानेहमनऊगन. निर्वसियोन ॥ ॥

३५

सर्वनाथागतासाकं सर्वनाथागतानयं सर्वधर्मागनिवासाय
समं तुल्यमूलं मे ॥ ॥ अमिय अमिय निर्विक्रम द
स्य सहस्रसं दानियागिन इव पयिप्त ॥ ॥ सर्वन
ऊन संयुक्तं सर्वानऊन वि वर्जितं समं करुणकायाय
तावमं तुल्यमूलं मे ॥ ॥ अयउगागिनि अममममनाद

॥ चण्डिका गिनि च नमः नमः ॥

वज्रवावाहि श्रुतिगनकाल॥

यविस्वधकंसमकरुडुवा

उधरुवांशकवृक्षकंवालि

नृवाली॥ ॥सर्वसत्त्वम

समकरुडुविश्याय धायम

उलसायथि॥

॥सक्तिधर्मप्रसंगं हानव

वागंराखमकुलंमरुमं॥

श्रयैश्रयै श्रुतिगन नीलव

हविर्लुं मुदेषुक्तिनीर्मन

॥श्राक

३३

संपूर्यसर्वगगतमभायथयदंसर्वनवानादिनापीत्वा सर्वविकल

य.भाहकननं दाकिनि श्री

नक्तिनगुन हानदाय प्रा

हस्यमानसा नृस्यप्रसंस

मायांमालविन्दुसहस्रनिवा २भाहमानदर्पन शुदिनमाया

हनुकादिना गचकायविवर्त

कुरुता २गस्यातस्यकृपादुन

यवहं ॥ ॥वाग॥दसावा

माह ॥ ५ ॥ असंस्तानमृसाना २ भाग दस माह द्वादश दिन निव मृसा ॥

॥ मृनामिषनयनहृ

वपूत्थइ ॥ ॥ सहजसंरा

उभापवमवासननव ॥

दशगावन्निनिइषयाहवचकननिया ॥

कवृचिना २ वृमविचिकइष्ट

वनयउदनागकधनीया २

मृवधूवउदयचंदयाययसा

॥ ॥ ॥ ॥

३१

१३३३३३

लिहइकाव

चमनवात्मा

इविमहएव

इदिग

१३

१३

१३

१३

इविमहइकाव

चमनवात्मा

इविमहइकाव

इविमहइकाव

इविमहइकाव

१३

१३

१३

१३

१३

